Definition, Nature and Scope of Economic Geography

Economic Geography

- आर्थिक भूगोल, मानव भूगोल की एक प्रमुख शाखा है जिसके अर्न्तगत भूतल पर मानव की आर्थिक क्रियाओं की क्षेत्रीय विविधताओं, विशेषताओं, स्थानिक प्रतिरूपों तथा पारस्परिक संबंधों का अध्ययन किया जाता है।

- मानव के विभिन्न क्रिया–कलापों के आधार पर आर्थिक भूगोल के कई उप–विषय बनाए गए हैं जैसे–
  - कृषि भूगोल
  - औद्योगिक भूगोल
  - परिवहन भूगोल
  - वाणिज्य **(Commercial)** भूगोल
  - विपणन **(Marketing)** भूगोल
  - पर्यटन भूगोल आदि।

Definition

- भूगोल की जिस शाखा में मानव के आर्थिक क्रियाकलापों का अध्ययन किया जाता है उसे आर्थिक भूगोल कहा जाता है।
- मानव की आर्थिक क्रियाएँ संसाधनों **(Resources)** के उपयोग, उत्पादन, विनमय **(Exchange)** तथा उपभोग **(Consumption)** से संबंधित होती है।
- आर्थिक भूगोल का सर्वप्रथम उद्भव वाणिज्य भूगोल के रूप में हुआ। 1861 में **Andre** की 'विश्व व्यापार का भूगोल' **(Geographie des Welthandel)** नामक पुस्तक प्रकाशित हुई जिसमें वाणिज्य भूगोल की शुरूआत हुई।

Definition

- 1882 में जर्मनी के **Gots** ने सर्वप्रथम 'आर्थिक भूगोल' का वाणिज्य भूगोल से भिन्न अर्थ में परिभाषित किया–
- "आर्थिक भूगोल में विश्व के विभिन्न भागों की उन विशेषताओं का वैज्ञानिक विवेचन किया जाता है, जिनका वस्तुओं के उत्पादन पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।"
- **"Economic Geography makes a scientific investigation of nature of world areas in their direct influence on the production of goods." - Gotz**

आर्थिक भूगोल की प्रकृति

- आर्थिक भूगोल पृथ्वी तल का अध्ययन है।
  (Economic Geography is the science of earth surface)
- आर्थिक भूगोल विभिन्न तत्वों में व्याप्त अन्तर्सम्बंधों एवं अन्तर्प्रक्रिया का विवेचन है।
  (Economic Geography is the study of interrelationship and interaction between different elements)
- आर्थिक भूगोल प्रादेशिक समाकलन का विज्ञान है।
  (Economic Geography is the chorological science)
- आर्थिक भूगोल संश्लेषणात्मक विज्ञान है।
  (Economic Geography is the science of synthesising)
- आर्थिक भूगोल व्यावहारिक समस्याओं के समाकलन एवं निराकरण का विज्ञान है।
  (Economic Geography is the science of integration and solution of applied problems)

Scope of Economic Geography

आर्थिक भूगोल का क्षेत्र

आर्थिक भूगोल का संबंध मनुष्य के भोजन, वस्त्र, घर और आराम की आवश्यकताएं पूरी करने के लिए मनुष्य द्वारा किए गए आर्थिक प्रयत्नों से ही है।

दूसरे शब्दों में, आर्थिक भूगोल का संबंध इस बात से है कि किस प्रकार मानव पृथ्वी के आर्थिक संसाधनों का विदोहन करता है, विभिन्न वस्तुओं का उत्पादन करता है और किस प्रकार उनका परिवहन, वितरण, उपभोग या विनिमय करता है।

वस्तुतः आर्थिक भूगोल में हम निम्न प्रश्नों का उत्तर ज्ञात करने की चेष्टा करते हैं–

- भूतल पर किन स्थानों में आर्थिक क्रियाएँ की जा सकती है?
- आर्थिक क्रियाएँ कहाँ की जाती है?
- आर्थिक क्रियाएँ क्यों की जाती है?
- आर्थिक क्रियाएँ कब की जाती है?
- आर्थिक क्रियाएँ कैसे की जाती है?